जून 2024
अंक 27

ज्ञानोदय प्रभा

सम्पादकीय

ज्ञानोदय के बढ़ते कदम

अब हवाएं ही करेंगी रौशनी का फ़ैसला
जिस दिए में जान होगी वो दिया रह जाएगा।
- महशर बदायुनी

जीवन सचमुच एक अद्भुत रंगमंच है |यहाँ अपना किरदार निभाना ही पड़ता है |जिंदगी में मंजिल पाने के लिए योजनाएं बनाना ,उन्हें कार्य रूप में परिणित करना नितांत आवश्यक होता है |जो लोग आलस्य में कूपमंडूक बने भाग्य के जगने का इंतज़ार करते रहते हैं, उन्हें जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता | एवरेस्ट फतह करने के लिए कोई अचानक नहीं पहुँच जाता |उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण ,धैर्य ,लगन ,साहस ,कुछ कर दिखाने का ज़ज्बा होना आवश्यक है |किसी ने सच ही लिखा है -"मंजिल उन्हीं को मिलती है,
जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता,
हौसलों से उड़ान होती है"

जब लक्ष्य बड़े हों तो हौसला रखना ही पड़ता है | यदि कोई लक्ष्य बनाया है ,तो उसे अपनी आँखों से ओझल नहीं होने देना चाहिए |परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने की अपेक्षा उनसे जूझने और संघर्ष करने की हमारे अन्दर हिम्मत होनी चाहिए |कितनी ही विकट परिस्थिति हो ,उसमें से रास्ता निकालने की कला हमें आना चाहिए |तभी हम अपनी मंजिल को हासिल कर सकते हैं | यदि हम उन्नति करना चाहते हैं तो ,हमें अपने आपको मजबूत बनाना ही होगा |यह मुश्किल काम नहीं हैं |हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं |जब हम पूरी ताकत से अपने कार्य में जुट जाते हैं ,तो ईश्वर भी हमारी सहायता करता है |कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं ,यदि ठान लिया जाए |ऐसा ही एक उदाहरण है बिहार के दशरथ मांझी का |पटना, बिहार के गया जिले में दशरथ मांझी एक मिसाल है। जिसने अपने हाथों से 22 साल तक उस पहाड़ को काट डाला जो उसकी पत्नी की मौत की वजह बना। दशरथ मांझी को इस सनक की वजह से लोगों ने पागल तक करार दे दिया था।दशरथ मांझी 1960 से लेकर 1982 तक एक पहाड़ को छेनी और हथौड़ी से काटते रहे थे।रोज घर से सुबह निकलते और शाम को पहाड़ी से घर आते। दशरथ मांझी की जिद थी कि पहाड़ काटकर रास्ता बनाएंगे।आखिरकार 22 साल में उन्होंने 25 फीट ऊंची, 30 फीट चौड़ी और 360 मीटर लंबी पहाड़ी काटकर सड़क बना डाली थी। मांझी से हम यह सीख सकते हैं कि यदि ठान लिया जाए तो नामुमकिन कुछ भी नहीं |ऐसे अनेकानेक उदाहरण हम सबने देखे और सुने हैं |

एक मूर्तिकार परिश्रम करके जब पत्थर को तराशता है

तो मूर्ति सजीव हो उठती है |ऐसे ही हम अपने जीवन में प्रयासों की तूलिका से मनचाहे रंग भरकर जीवन को दिशा दे सकते हैं |

ज्ञानोदय सर्वमंगल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भी अपने लक्ष्यों को ध्यान में रखकर निरंतर आगे बढ़ रहा है | अपने शिक्षकों को तराश रहा है |जिससे उत्तम से उत्तम शिक्षा पाकर विद्यार्थी न सिर्फ उच्चतम अंक प्राप्त कर रहे हैं अपितु एक योग्य नागरिक बनकर देश की तरक्की में चार चाँद लगा रहे हैं |इसी क्रम में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी शिक्षकों को अद्यतन करने के लिए ,उन्हें आवश्यक ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की गई |उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष यह क्रम चलता है |विद्यालय के निरंतर प्रयासों के परिणाम स्वरुप विद्यालय क्षेत्र में ही नहीं अपितु देश में अपना स्थान बना रहा है |विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ला इसमें अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं |विद्यालय और विद्यार्थी इसी तरह आगे बढ़ते रहें |इसी आशा के साथ बहुत बहुत शुभकामनाएँ |

प्राचार्य की कलम से

ज्ञानोदय एस.एम.व्ही.एम.हायर सेकेंडरी स्कूल , खुरई का संकाय विकास कार्यक्रम 2024 ढेर सारी यादों, चर्चाओं, समृद्ध अनुभवों और सीखने के साथ संपन्न हुआ। ज्ञानोदय के प्रतिष्ठित संकाय ने अपनी क्षमताओं को विकसित करने और खुद को निखारने के लिए 14 दिनों में 77 घंटे का कठोर समय बिताया है और आगामी सत्र 2024-2025 के लिए कमर कस ली है।

जून माह की गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: ज्ञानोदय एस.एम.व्ही.एम . सीनियर से. स्कूल , खुरई में शांति और आत्म-अन्वेषण का उत्सव

21 जून 2024 – ज्ञानोदय विद्यालय में आज शिक्षकों और छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस विशेष अवसर ने शरीर, मन और आत्मा को एकजुट करने वाली प्राचीन तकनीक को अपनाते हुए शांति और आत्म-अन्वेषण का अनुभव प्रदान किया।

योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में, विद्यार्थियों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास किया |विद्यार्थियों ने योग के महत्त्व को समझा और जीवन में इसे अपनाने का संकल्प लिया |योग की भावना में एक साथ हमने पाया कि शिक्षा का सच्चा सार केवल ज्ञान में नहीं है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा की एकता में भी है | जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकता है | स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है ,यह उक्ति हम सबने सुनी और पढ़ी है | इस आवश्यकता की पूर्ति योग से ही संभव है |

विद्यालय में केरियर सेल का शुभारंभ

14 जून 2024 |हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ज्ञानोदय विद्यालय में केरियर सेल का आधिकारिक उद्घाटन हो चुका है! इस कार्यक्रम की मदद से हम अपने छात्रों को उनके केरियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और दिशा प्रदान करने की आशा करते हैं।

हमारे समर्पित शिक्षकों ने केरियर काउंसलिंग, वित्तीय साक्षरता और विदेश में अध्ययन सहित विभिन्न केरियर क्षेत्रों पर सूचनात्मक सत्रों का नेतृत्व किया है। ये सत्र छात्रों को उनके भविष्य के बारे में सूचित करने ,निर्णय लेने में मदद करने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और संसाधन प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगा ।

इस अवसर पर हमें अपने विद्यालय के सम्मानित चेयरमैन श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ जी से आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विद्यालय के उद्देश्यों और मिशन की उनकी याद दिलाने वाली प्रेरणा हमें समग्र शिक्षा प्रदान करने और अपने छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को जारी रखने के लिए प्रेरित करती है।

ज्ञानोदय स्कूल में केरियर मार्गदर्शन सत्र: शिक्षकों के लिए नई दिशा

हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हाल ही में ज्ञानोदय स्कूल, खुरई के समर्पित शिक्षकों के लिए "शिक्षकों को सशक्त बनाना: हर कक्षा में केरियर मार्गदर्शन को एकीकृत करना" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया |

हमारी चर्चा का केंद्रबिंदु यह था कि केरियर मार्गदर्शन को रोजमर्रा की शिक्षण विधियों और रणनीतियों में कैसे प्रभावी ढंग से शामिल किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रों को प्रारंभिक आयु से ही निरंतर समर्थन और सही दिशा प्राप्त हो।

हमें उम्मीद है कि यह सत्र ज्ञानोदय स्कूल को उनके सराहनीय केरियर सेल स्थापना पहल में मदद करेगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि छात्रों को उनके भविष्य के रास्तों को प्रभावी ढंग से चुनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हो।सत्र को श्रीमती प्रियंका तोमर ने संबोधित किया |

उन्होंने ज्ञानोदय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ला को इस महत्त्वपूर्ण उद्देश्य में योगदान करने का अवसर देने और विनम्र आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया |

मूल्यांकन और सक्रिय शिक्षण रणनीतियाँ : एक महत्वपूर्ण सत्र

ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्यालय में डॉ. पूजा जैन (डेली कॉलेज, इंदौर) के साथ सीखने और विकास का एक शानदार सत्र रहा |इस प्रशिक्षण में सत्र 1 में मूल्यांकन डिज़ाइन (FA & SA), MCQs और ब्लूम टैक्सोनॉमी के बारे में चर्चा की गई जिसके अंतर्गत FA और SA के बीच अंतर और उद्देश्य को समझना।दोनों प्रकार के मूल्यांकन को प्रभावी ढंग से लागू करने की तकनीकें,उच्च गुणवत्ता वाले बहुविकल्पीय प्रश्नों को तैयार करना,यह सुनिश्चित करना कि MCQs सीखने के उद्देश्यों और संज्ञानात्मक स्तरों के साथ मेल खाएं।व्यापक मूल्यांकन विकसित करने के लिए ब्लूम के शैक्षणिक मॉडल ढांचे को लागू करना।अच्छी तरह से संरचित प्रश्नों के माध्यम से उच्च-क्रम सोच को प्रोत्साहित करना।मूल्यांकन के लिए विस्तृत ब्लूप्रिंट बनाना।स्पष्ट ग्रेडिंग मानदंड प्रदान करने के लिए रूब्रिक्स डिज़ाइन करना।सीखने के परिणामों को परिभाषित करने के लिए सफलता के मानदंड स्थापित करना।

डॉ. जैन के इस सत्र ने हमें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई ताकि हम मजबूत मूल्यांकन बना सकें जो छात्र के सीखने को सही ढंग से मापें और गहरी समझ को बढ़ावा दें।

सत्र 2 में कक्षा में सक्रिय शिक्षण रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया | जिसके अंतर्गत गतिशील शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों को संलग्न करना।चर्चाओं, समूह गतिविधियों और सहकर्मी शिक्षण का उपयोग करना,सैद्धांतिक अवधारणाओं को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक अभ्यास लागू करना।छात्रों के बीच सक्रिय भागीदारी और सहयोग को प्रोत्साहित करना।सीखने को बढ़ाने के लिए सिमुलेशन और वास्तविक जीवन परिदृश्यों का उपयोग करना।छात्रों की रुचि बनाए रखने के लिए खेल और रचनात्मक अभ्यासों को शामिल करना।

डॉ. जैन की नवीन रणनीतियों ने हमें दिखाया कि हमारी कक्षाओं को जीवंत और आकर्षक कैसे बनाया जाए |

ज्ञानोदय एस.एम.व्ही .एम. स्कूल खुरई में शिक्षक प्रशिक्षण और फैकल्टी विकास कार्यक्रम

ज्ञानोदय एस.एम.व्ही.एम .स्कूल, खुरई में आयोजित दो दिवसीय समृद्ध और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को सशक्त बनाने का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सत्र की मुख्य बातें:

- **पाठ योजना:** शिक्षकों को प्रभावी पाठ योजनाओं के निर्माण और परस्पर संवादात्मक महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।
- **कक्षा प्रबंधन:** कक्षा में अनुशासन और सकारात्मक सीखने के माहौल को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई।
- **सक्रिय शिक्षण विधियाँ:** शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण और सीखने की रणनीतियों के साथ छात्रों को संलग्न करने के नए तरीकों से अवगत कराया गया।
- **मूल्यांकन:** विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन तकनीकों, जैसे सहायक और संख्यात्मक मूल्यांकन पर विस्तार से जानकारी दी गई।

- **प्रश्न तकनीक:** प्रभावी प्रश्न पूछने की तकनीकों और उनकी उपयोगिता पर जोर दिया गया।
- **ब्लूम टैक्सोनॉमी:** ब्लूम के टैक्सोनॉमी ढांचे का उपयोग करके उच्च-क्रम सोच को प्रोत्साहित करने वाले मूल्यांकन विकसित करने के तरीके समझाए गए।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अत्यंत समृद्ध और ज्ञानवर्धक साबित हुआ। सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सीखने की इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

"सह-शिक्षण का परिचय" पर ऑनलाइन सत्र का सफल आयोजन

6 जून, 2024 को ज्ञानोदय एस.एम.व्ही.एम.,खुरई के समर्पित शिक्षकों के लिए "सह-शिक्षण का परिचय" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया। सत्र सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुआ। यह सत्र श्री राम स्कूल के प्राचार्य श्री अरविंदनाभा शुक्ला द्वारा संबोधित किया गया।

सत्र की मुख्य बातें:

- सह-शिक्षण की अवधारणा और इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा।
- शिक्षकों के लिए सह-शिक्षण के लाभ और इसे प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीतियाँ।
- कक्षा में सह-शिक्षण के विभिन्न मॉडलों और उनके उपयोग पर जानकारी।

सभी प्रतिभागियों के उत्साह और सक्रिय भागीदारी ने सत्र को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

व्यवहार परामर्श प्रशिक्षण

यह सत्र सुश्री विनीला (कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी स्कूल, जामनगर) द्वारा संचालित किया गया | यह सत्र बहुमूल्य जानकारियों और सहयोगात्मक सीखने से भरा हुआ था! छात्र व्यवहार को समझने पर केन्द्रित यह सत्र बहुत प्रभावी रहा |

“गूगल ड्राइव का बेहतर प्रयोग : श्री विशाल कटारे

यह सत्र विद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान के शिक्षक श्री विशाल कटारे द्वारा संबोधित किया गया गया | जिसमें गूगल ड्राइव टूल्स पर ध्यान केंद्रित किया गया | इस सत्र में गूगल डाक्यूमेंट्स और गूगल फॉर्म्स के अतिरिक्त अन्य विषय पर चर्चा की गई |

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) और प्रश्न पत्र निर्माण पर केंद्रित परिचर्चा

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यामंदिर के विभिन्न विभाग से सम्बंधित शिक्षकों ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) पर गहराई से चर्चा की।चर्चा की शुरुआत NCF के प्रमुख सिद्धांतों और उद्देश्यों के अवलोकन से हुई।आधुनिक शैक्षिक प्रथाओं और मानकों को आकार देने में इसके महत्त्व पर जोर दिया गया।हमने यह जांचा कि NCF समकालीन शैक्षणिक दृष्टिकोणों के साथ कैसे मेल खाता है।शिक्षकों ने अपने शिक्षण विधियों में NCF को एकीकृत करने पर अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए।सहयोगात्मक विचार-मंथन सत्रों ने पाठ्यक्रम वितरण को बढ़ाने के लिए नवाचारी विचारों को प्रोत्साहित किया।विभिन्न विषयों में NCF के सफल कार्यान्वयन के उदाहरणों पर चर्चा की गई।NCF को अपनाने में आने वाली चुनौतियों और समाधानों को भी संबोधित किया गया।

प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ला द्वारा प्रश्नपत्र निर्माण कला पर उपयोगी सत्र

ज्ञानोदय सर्वमंगल मंगल विद्या मंदिर के प्राचार्य डॉ. अभिनव शुक्ला ने प्रभावी प्रश्न पत्र निर्माण पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का नेतृत्व किया।सत्र की शुरुआत छात्रों की समझ का मूल्यांकन करने में अच्छी तरह से संरचित प्रश्न पत्रों के महत्व से हुई।विविध छात्र क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए कठिनाई स्तर के संतुलन पर जोर दिया गया।स्पष्ट, संक्षिप्त, और अस्पष्टता रहित प्रश्न बनाने की तकनीकें साझा की गईं।सीखने के उद्देश्यों और परिणामों के साथ प्रश्नों को संरेखित करने के महत्व पर जोर दिया गया।विभिन्न प्रकार के प्रश्न (MCQs, लघु उत्तर, निबंध) और उनके उचित उपयोग पर चर्चा की गई।मूल्यांकन में निष्पक्षता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए गए।

यह दिन हमारे शैक्षिक दृष्टिकोणों को समृद्ध करने और शिक्षण कार्यों में कुशलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

प्रेरणादायक और अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्रों के साथ एक खुशहाल कक्षा बनाने पर परिवर्तनकारी सत्र

यह सत्र अंतर्दृष्टिपूर्ण बातचीत और मूल्यवान ज्ञान से भरा हुआ था |रसायन विज्ञान सत्र में रासायनिक अभिक्रियाओं और नवाचारी शिक्षण विधियों पर चर्चा की गई |गणित सत्र छात्रों के लिए जटिल गणितीय अवधारणाओं को सरल बनाने की आकर्षक तकनीकों पर आधारित था |

विज्ञान सत्र में नई वैज्ञानिक खोजों और कक्षा में उनके अनुप्रयोगों का अन्वेषण एवं जीवविज्ञान सत्र में नवीनतम आनुवंशिक अनुसंधान और जीवविज्ञान को इंटरैक्टिव तरीके से पढ़ाने पर चर्चा की गई |

अर्थशास्त्र सत्र में वैश्विक आर्थिक रुझानों पर अंतर्दृष्टि और अर्थशास्त्र के लिए प्रभावी शिक्षण रणनीतियों को साझा किया गया एवं सामाजिक विज्ञान सत्र में यह चर्चा की गई कि हमारे पाठ्यक्रम में वर्तमान घटनाओं को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के तरीके खोजे जाएँ ताकि सीखना अधिक प्रासंगिक हो सके|जहाँ एक ओर अंग्रेजी सत्र में भाषा कौशल और साहित्य के नवाचारी तरीकों चर्चा की गई ,वहीँ दूसरी ओर हिंदी सत्र में हिंदी साहित्य और भाषा को पढ़ाने के नए दृष्टिकोण पर विचार किया गया |

शिक्षक की कलम से:- आज की शिक्षा में तकनीकी ज्ञान की बढ़ती अहमियत के साथ, तकनीकी रूप से दक्ष शिक्षक शिक्षण को अधिक प्रभावशाली और रोचक बना सकते हैं। डिजिटल संसाधनों, ऑनलाइन कक्षाओं और इंटरैक्टिव टूल्स का उपयोग न केवल पाठ्यक्रम की गुणवत्ता को सुधारता है, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य के तकनीकी कौशल के लिए भी तैयार करता है। तकनीकी ज्ञान के माध्यम से शिक्षक डेटा प्रबंधन को सटीकता से कर सकते हैं और कक्षा की समस्याओं का त्वरित समाधान खोज सकते हैं। इस प्रकार, तकनीकी दक्षता शिक्षण को नई ऊँचाइयाँ देने और छात्रों को एक सफल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

राहुल अग्रवाल (आई.सी.टी.-विभाग)

खुशहाल कक्षा सत्र

ज्ञानोदय एस.एम्.व्ही.एम. सीनियर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य डॉ. अभिनव शुक्ला ने खुशहाल और आकर्षक कक्षा वातावरण बनाने पर एक प्रेरणादायक सत्र का नेतृत्व किया |प्रत्येक सत्र उत्साह से भरा था और हमें अपनी शिक्षण विधियों को समृद्ध बनाने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान किए गए |

साहित्यिकी

विद्यार्थियों की कलम से

गर्मी का कहर

तपती धरती ,तपता पानी
याद आ रही सबको नानी
गर्मी का कहर इतना बढ़ गया
पारा तो देखो ! सर ही चढ़ गया |
सुबह मिलती है थोड़ी शांति ,
दोपहर में मचती है क्रांति
हाल हमारे बेहाल हो रखे
फेल हैं सभी कूलर पंखे
पछता रहे हम सभी
क्यों इसका आह्वान किया था ?
न जाने क्या सोचकर ,
आग में हाथ डालने का कार्य किया था |
सूरज तुम ही थोडा रहम करो
वरना हम मर जाएँगे
न जाने कब इस गर्मी से
हम छुटकारा पाएँगे |

मान्या सिंह बिसेन (कक्षा 8 सी)

समय

समय करे काम बहार
आलस करे नाम बेकार
कर समय की कदर
वो करेगा तेरी मदद
समय बनाए महान
इसके अलावा नहीं कोई समाधान
मेहनत से किस्मत चमकेगी
सूर्य की किरण से कली खिलेगी
समय लाएगा बंगला कार
इसलिए कहो
समय करे काम बहार

-मानसी चौरसिया कक्षा 8 स

मन हुआ तो .....

मन हुआ तो कुछ बात लगे
रूखी सी मुलाकात लगे
बेमन बातें करना,
कुछ खास नहीं लगता
बेमन की ये हयात लगे
यादें बरसे, बरसात लगे
बेमन, मन का खाना भी
कुछ खास नहीं लगता
साल बीते क्या वक़्त लगे
गिरते आँसू रक्त लगे
बेमन के मुस्कुराना भी
कुछ खास नहीं लगता
पहचाने इंसान लगे
जाने क्यों अंजान लगे
बेमन मनचाहा भी
कुछ खास नहीं लगता
दिन बीते ये रात लगे
बदले से हालत लगे
बेमन देखा ख़्वाब
कुछ खास नहीं लगता
रात बीती प्रभात लगे
अंत हुआ, शुरुआत लगे
बेमन, ढलता सूरज भी
कुछ खास नहीं लगता
धुंधले ये ज़ज्बात लगें
बातें भी बिनबात लगें
बेमन खुदका दिन भी
कुछ खास नहीं लगता

-ओम गौर कक्षा 11 ए

विनम्र अनुरोध

यद्यपि ज्ञानोदय प्रभा प्रकाशित करने में अत्यंत सावधानी रखी गई है, फिर भी यदि भूलवश कोई त्रुटि रह गई हो , तो संपादक क्षमाप्रार्थी है |

-संपादक ज्ञानोदय प्रभा

ज्ञानेन पुंसां सकलार्थ सिद्धि :

संपादक संरक्षक:- **ज्ञानोदय एस.एम्.व्ही.एम. सीनियर सेकंडरी स्कूल , खुरई**
मुख्य संपादक:- **डॉ. कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव**
सहयोग:- **हिंदी विभाग**
तकनीकी सहायता:- **अविनाश सविता**

www.facebook.com/gyanodayakhurai
gyanodayaprincipal@gmail.com
www.gyanodayakhurai.org
youtube.com/UC_7RhrC1nipjZTanSKoEVEA
gyanodayakhurai/9826829441
gyanodayacampuscare.in
Gyanodaya khurai
9826829441, 07581-292149,292154

अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु क्यूआर स्कैन करे

ज्ञानोदय एस.एम्.व्ही.एम. सीनियर सेकंडरी स्कूल , खुरई